

## सौर परियोजना में IFC का नविश

स्रोत: लाइव मटि

हाल ही में **वशिव बैंक** की नज्जी क्षेत्रीय ऋण शाखा, अंतर्राष्ट्रीय वलित्त नगिम (IFC) ने राजस्थान में 550 मेगावाट पीक (MWp) सौर ऊर्जा परियोजना के आंशकि वलित्तपोषण के लयि 105 मलयिन अमेरकिी डॉलर उपलब्ध कराने की प्रतबिद्धता व्यक्त की है।

- MWp का तात्पर्य सौर या पवन ऊर्जा परियोजना का अधिकितम वदियुत उत्पादन क्षमता से है जो पवन की गत और सूर्य के प्रकाश के सामर्थ्य के आधार पर भनिन-भनिन होती है।
- इस नविश का उद्देश्य दीर्घकालकि ऊर्जा अनुबंधों के माध्यम से संपूर्ण भारत में व्यवसायों और उद्योगों को सौर वदियुत के लयि सस्ती कीमतें उपलब्ध कराना है। इससे **ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन** को कम करने के भारत के प्रयासों को समर्थन मलिया।
- भारत सरकार ने **वर्ष 2030 तक 500 गीगावॉट अकषय ऊर्जा (RE) क्षमता** हासलि करने की महत्त्वाकांक्षी योजना बनाई है, जसिसे ऊर्जा संक्रमण क्षेत्र के नविश में वृद्धि होगी।
- वशिव बैंक की स्थापना वर्ष 1944 में IMF के साथ मलिकर अंतर्राष्ट्रीय पुनर्रनिमाण और विकास बैंक (IBRD) के रूप में की गई थी। IBRD ही बाद में वशिव बैंक बना
  - IFC विकासशील देशों में नज्जी क्षेत्र पर केंद्रति सबसे बड़ी वैश्वकि विकास संस्था होने का दावा करती है। IFC यह भी सुनिश्चति करना चाहती है क विकासशील देशों में नज्जी उद्यमों को बाज़ार और वलित्तपोषण तक पहुँच प्राप्त हो।

और पढ़ें: [नवीकरणीय ऊर्जा, वशिव बैंक](#)